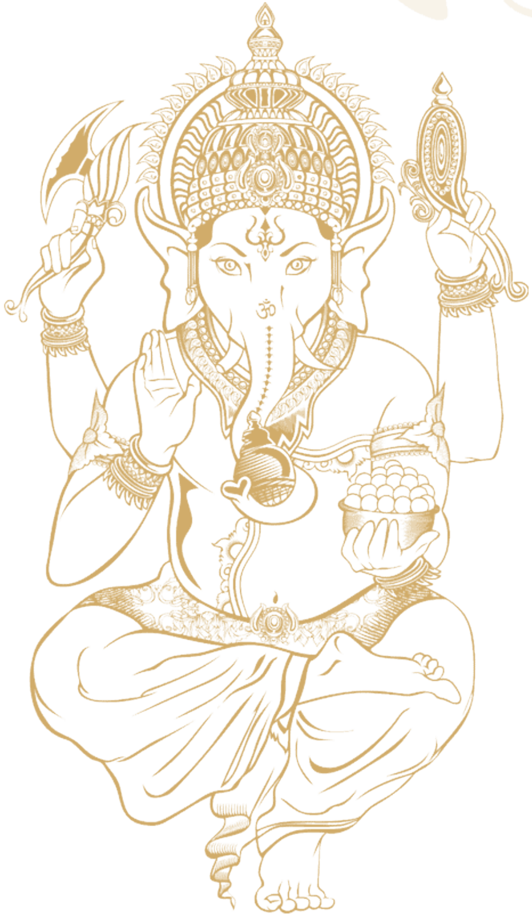

Mr.

08 Mar 1996

10:31 PM

Buxar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121800305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/03/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:31:00 घंटे**
इष्ट	40:50:49 घटी
स्थान	**Buxar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:35:00 उत्तर
रेखांश	83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:36:56 घंटे
वेलान्तर	-00:10:46 घंटे
साम्पातिक काल	09:43:38 घंटे
सूर्योदय	06:10:40 घंटे
सूर्यास्त	17:59:21 घंटे
दिनमान	11:48:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:36:22 कुम्भ
लग्न के अंश	25:47:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:47:58	312:39:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	24:36:22	00:59:58	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	03:57:11	13:11:37	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	23:43:29	00:47:10	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	08:10:16	01:38:23	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	19:10:08	00:09:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	09:06:50	01:06:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	02:32:31	00:07:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कन्या	23:28:57	00:00:54	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	23:28:57	00:00:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	09:17:59	00:02:44	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	03:13:57	00:01:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:18:28	00:00:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	29:46:44	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:20

लग्न-चलित

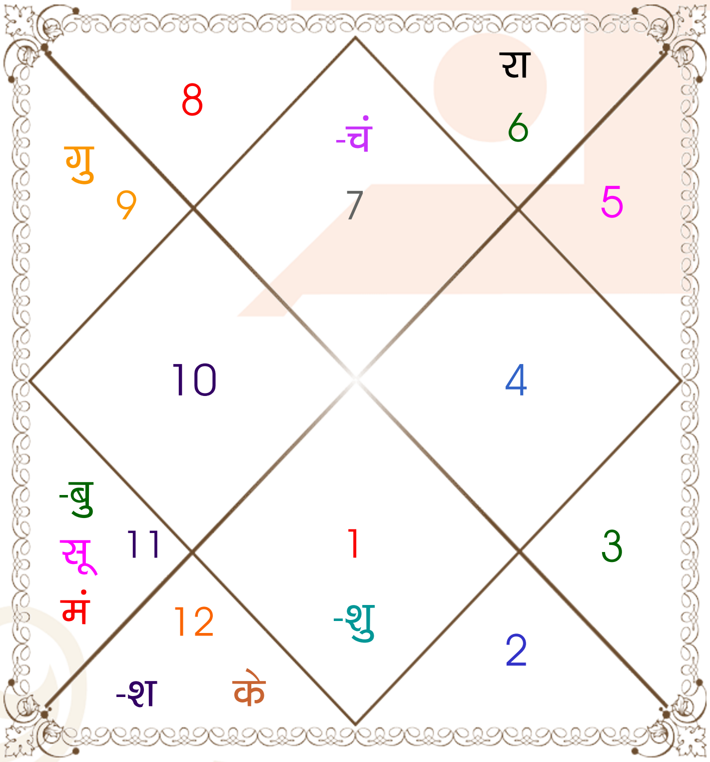

चन्द्र कुंडली

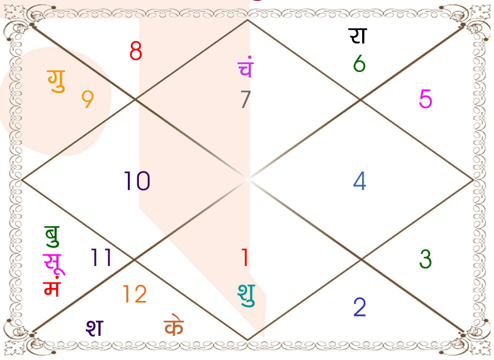

नवमांश कुंडली

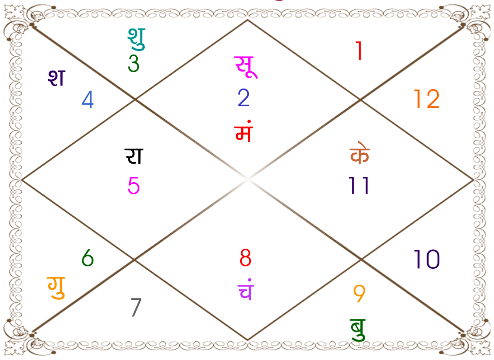

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 2 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/03/1996		11/08/1997		11/08/2015		11/08/2031		11/08/2050	
11/08/1997		11/08/2015		11/08/2031		11/08/2050		11/08/2067	
	00/00/0000	राहु	23/04/2000	गुरु	28/09/2017	शनि	14/08/2034	बुध	07/01/2053
	00/00/0000	गुरु	17/09/2002	शनि	11/04/2020	बुध	23/04/2037	केतु	04/01/2054
	00/00/0000	शनि	24/07/2005	बुध	18/07/2022	केतु	02/06/2038	शुक्र	04/11/2056
	00/00/0000	बुध	10/02/2008	केतु	24/06/2023	शुक्र	02/08/2041	सूर्य	10/09/2057
	00/00/0000	केतु	27/02/2009	शुक्र	22/02/2026	सूर्य	15/07/2042	चंद्र	10/02/2059
	08/03/1996	शुक्र	28/02/2012	सूर्य	11/12/2026	चंद्र	13/02/2044	मंगल	07/02/2060
शुक्र	04/09/1996	सूर्य	22/01/2013	चंद्र	11/04/2028	मंगल	24/03/2045	राहु	26/08/2062
सूर्य	10/01/1997	चंद्र	24/07/2014	मंगल	18/03/2029	राहु	29/01/2048	गुरु	01/12/2064
चंद्र	11/08/1997	मंगल	11/08/2015	राहु	11/08/2031	गुरु	11/08/2050	शनि	11/08/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/08/2067		11/08/2074		11/08/2094		12/08/2100		12/08/2110	
11/08/2074		11/08/2094		12/08/2100		12/08/2110		00/00/0000	
केतु	07/01/2068	शुक्र	11/12/2077	सूर्य	29/11/2094	चंद्र	12/06/2101	मंगल	08/01/2111
शुक्र	09/03/2069	सूर्य	11/12/2078	चंद्र	30/05/2095	मंगल	11/01/2102	राहु	27/01/2112
सूर्य	14/07/2069	चंद्र	11/08/2080	मंगल	05/10/2095	राहु	13/07/2103	गुरु	02/01/2113
चंद्र	12/02/2070	मंगल	11/10/2081	राहु	29/08/2096	गुरु	11/11/2104	शनि	10/02/2114
मंगल	12/07/2070	राहु	10/10/2084	गुरु	17/06/2097	शनि	12/06/2106	बुध	08/02/2115
राहु	30/07/2071	गुरु	11/06/2087	शनि	30/05/2098	बुध	12/11/2107	केतु	07/07/2115
गुरु	05/07/2072	शनि	11/08/2090	बुध	05/04/2099	केतु	12/06/2108	शुक्र	09/03/2116
शनि	14/08/2073	बुध	11/06/2093	केतु	11/08/2099	शुक्र	10/02/2110		00/00/0000
बुध	11/08/2074	केतु	11/08/2094	शुक्र	12/08/2100	सूर्य	12/08/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।